

बांसकुली में नाबार्ड ने किया सहकारी साक्षरता शिविर का आयोजन

देवघर (आससे)। नाबार्ड ने बांसकुली में एक सहकारी साक्षरता शिविर का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य वित्तीय जागरूकता और सहकारी पहलों के माध्यम से स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाना था। इस कार्यक्रम में नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक श्री शुभेंदु बेहरा, झारखंड राज्य सहकारी बैंक (जेएसटीसीबी) के निदेशक श्री सी. पी. सिंह, श्री अरूप खान और वित्तीय साक्षरता परामर्शदाता श्री बापी सेन सहित प्रमुख हितधारकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान, श्री शुभेंदु बेहरा ने सहकारिता मंत्रालय की



शपथ पत्र

मैं, आर्मी नं.-15218117M हवलदार (गनर), राजकुमार सिंह जिसके 341 फिल्ड रेजिमेंट C/o 56APO Pin No-926341, पिता एवं उमेश कुमार सिंह, निवास-मकान सं.-159, बालाजी नगर, सगुना मोड़, दानापुर कैंट, पटना-801503, शपथ पत्र सं.-567/ 31.10.2025 द्वारा यह घोषणा करता हूँ कि मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरे पुत्र का नाम रुद्र भारद्वाज (Rudra Bhardwaj) अंकित है, जो गलत है। मेरे पुत्र का सही नाम रुद्र भारद्वाज (Rudra Bhardwaj) है।

AFFIDAVIT

I, Digvijay Singh, S/o Late Arun Kumar, Resident of House No. 421/C/o Gita Singh Near Van Vibhag Negru Nagar Boring Road, P.S. Barhathwa, P.O.

प्रमुख पहलों पर प्रकाश डाला, जिसमें पैक्स कम्प्यूटरीकरण योजना पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने सहकारी बैंकिंग में पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) के डिजिटलीकरण के महत्व पर बल दिया। जेएसटीसीबी के निदेशक श्री सी. पी. सिंह ने किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) ऋण और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों को वित्तीय सहायता और फसल बीमा

लाभों के लिए इन योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। वित्तीय साक्षरता परामर्शदाता श्री बापी सेन ने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करने और साइबर धोखाधड़ी से बचाव पर एक व्यापक सत्र दिया। उन्होंने सूचित निर्णय लेने और व्यक्तिगत एवं वित्तीय जानकारी की सुरक्षा में वित्तीय साक्षरता के महत्व पर जोर दिया। शिविर में स्थानीय क्षेत्र बहुउद्देशीय समितियों (LAMPS) के

लगभग 45 सदस्यों ने भाग लिया, जिन्होंने चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया और विशेषज्ञों द्वारा साझा की गई बहुमूल्य जानकारी से लाभान्वित हुए। इस कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र में सहकारी विकास, वित्तीय समावेशन और सरकारी पहलों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना था। ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन में नाबार्ड के प्रयास ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने और सतत विकास को बढ़ावा देने के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

नाबार्ड ने बांसकुली में सहकारी साक्षरता शिविर का आयोजन किया

झारखण्ड उदय

बांसकुली : नाबार्ड ने हाल ही में बांसकुली में एक सहकारी साक्षरता शिविर का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य वित्तीय जागरूकता और सहकारी पहलों के माध्यम से स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाना था। इस कार्यक्रम में नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक श्री शुभेंदु बेहरा, झारखंड राज्य सहकारी बैंक (जेएसटीसीबी) के निदेशक श्री सी. पी. सिंह, श्री अरूप खान और वित्तीय साक्षरता परामर्शदाता श्री बापी सेन सहित प्रमुख हितधारकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान, श्री शुभेंदु बेहरा ने सहकारिता मंत्रालय की प्रमुख पहलों पर प्रकाश डाला, जिसमें पैक्स कम्प्यूटरीकरण योजना पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने सहकारी बैंकिंग में



पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) के डिजिटलीकरण के महत्व पर बल दिया। जेएसटीसीबी के निदेशक श्री सी. पी. सिंह ने किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) ऋण और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पर प्रकाश डाला। उन्होंने

किसानों को वित्तीय सहायता और फसल बीमा लाभों के लिए इन योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। वित्तीय साक्षरता परामर्शदाता श्री बापी सेन ने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करने और साइबर धोखाधड़ी से बचाव पर

एक व्यापक सत्र दिया। उन्होंने सूचित निर्णय लेने और व्यक्तिगत एवं वित्तीय जानकारी की सुरक्षा में वित्तीय साक्षरता के महत्व पर जोर दिया। शिविर में स्थानीय क्षेत्र बहुउद्देशीय समितियों के लगभग 45 सदस्यों ने भाग लिया, जिन्होंने चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया और विशेषज्ञों द्वारा साझा की गई बहुमूल्य जानकारी से लाभान्वित हुए।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र में सहकारी विकास, वित्तीय समावेशन और सरकारी पहलों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना था। ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन में नाबार्ड के प्रयास ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने और सतत विकास को बढ़ावा देने के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।



